>

Title: Regarding acute shortage of drinking water in Agra, Uttar Pradesh.

प्रो. रामशंकर (आगरा): माननीय सभापति महोदय, मेरा संसदीय क्षेत्र आगरा है और आगरा, मथुरा व जलेसर क्षेत्र में खारा पानी है, जमीन के नीचे कहीं भी मीठा पानी नहीं है। उस पानी में 2000 से लेकर 5000 तक फ्लोराइड की मात्रा है, जिसके कारण कोई भी व्यक्ति पानी नहीं पी सकता है। सभापति महोदय, वहां यमुना पूरी तरह से सूखी पड़ी है, उसमें पानी नहीं आता है। हथिनीकुंड बेराज से पानी छोड़ा नहीं जाता है, वहां से चलता है तो दिल्ली में रुक जाता है और आगे चलकर मथुरा में रुक जाता है। पहले पीने का पानी यमुना से सप्लाई होता था व पूरी तरह से बंद है। गंदे नाले जो यमुना में गिरते हैं उससे शहर को पानी सप्लाई होता है। वहां के 30 प्रतिशत लोग पानी खरीदते हैं व 70 प्रतिशत गरीब व मजदूर लोग वहीं खारा पानी पीने के लिए मजबूर हैं, जिसके कारण वहां कई प्रकार की बीमारियां हो रही हैं। वहां के लोग 40 साल तक आते-आते मृत्यु के मुंह में चले जाते हैं। बच्चे बीमारी से ग्रस्त हो रहे हैं। इस संदर्भ में आगरा के लोग माननीय प्रधान मंत्री से दो बार और दो बार माननीय राष्ट्रपति जी से मिल चुके हैं। हमारी मांग है कि यमुना में पानी छोड़ा जाए और यमुना पर बेराज बनाया जाए जिससे आगरा की जनता को मीठा पानी पीने के लिए मिल सके। पानी के अभाव में ताजमहल भी खतरे में है और उसकी नींव की लकड़ी सूख रही है। मेरी मांग है कि वहां पर बेराज बनाया जाए।